Solidaridad

सोयाबीन के उन्नत बीज का चुनाव

- किसान भाईयों ,सोयाबीन मध्य प्रदेश राज्य की एक प्रमुख खरीफ फसल है एवं इसके समुचित उत्पादन प्राप्त करने के लिए उचित किस्मों का चुनाव करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- क्षेत्रीय अनुकूलता, फसल चक्र एवं कीट-रोगों के प्रकोप एवं सिंचाई व्यवस्था के आधार पर पर उन्नत किस्मों का चयन करें।
- कम वर्षा एवं हल्की भूमि वाले क्षेत्रों में जल्दी पकने वाली तथा अधिक वर्षा एवं भारी भूमि में मध्यम अवधि में पकने वाली किस्मों का चयन करना चाहिए।
- इसके साथ साथ किसान भाईयों, उत्पादन में स्थिरता लाने एवं प्रतिकूल परिस्थिति में होने वाली संभावित हानि को कम करने हेतु सदैव एक से अधिक किस्मो की कास्त करें ।
- इससे बुवाई , कटाई एवं अन्य शस्य क्रियाओं के लिए पर्याप्त समय मिलता है तथा फसल का प्रबंधन भी अच्छी तरह हो पाता है। इस प्रकार से फसल लगाने पर कीटों और बीमारियों का प्रकोप भी अपेक्षाकृत कम होता है।
- किस्मो के पकने की अवधिअलग अलग समय पर होने से कटाई में भी सुविधा होती है तथा फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।
- अतः किसान भाई अपने क्षेत्र के लिए उपयुक्त सोयाबीन की 2-3 किस्मो का चयन कर बीज की उपलब्धता बोनी से पूर्व ही सुनिश्चित कर ले।
- मध्य भारत एवं विशेष कर मध्य प्रदेश के लिए उपयुक्त एवं अनुशंषित सोयाबीन की प्रमुख उन्नत किस्मे एवं उनके गुण धर्म निम्न है :-

क्र स	सोयाबीन की किस्मे	उत्पादन (कुं/हे)	प्रजाति के गुण धर्म	चित्र
1	जे एस 20-34	20-25	• सिमित वृद्धि एवं सफ़ेद फूल, • मध्यम आकार का दाना , • शीघ्र पकने वाली , • चारकोल रॉट,गर्डल बीटल के लिए प्रतिरोधी • एवं तना मक्खी के लिए मध्यम प्रतिरोधी मध्य प्रदेश के लिए अनुशंषित	

Solidaridad

2	जे एस 20-69	20-25	• अर्ध सिमित वृद्धि एवं सफ़ेद फूल, • चारकोल रॉट,बैक्टीरियल पश्चूल, पीला मोज़ेक, पोड ब्लाइट के प्रति प्रतिरोधी	
3	जे एस 20-29	20-25	• अर्ध सिमित वृद्धि एवं सफ़ेद फूल, • पिला मोज़ेक एवं चारकोल रॉट प्रतिरोधी , • कीटों के लिए सहनशील , • मध्य क्षेत्र के लिए अनुशंसित	

4	जे एस 335	25-30	● अर्ध सिमित वृद्धि एवं बैगनी फूल , पीला दाना , ● बैक्टीरियल पशचूल की प्रतिरोधी , ● अच्छा अंकुरण , ● फलिया चटकने के प्रति सहनशील , ● अधिक उपज देने वाली किस्म , ● मध्य प्रदेश के लिए अनुशंसित	
5	आर वी एस 2001-04	22-25	● अर्ध सिमित वृद्धि एवं सफ़ेद फूल ● गर्डल बीटल एवं सेमी लूपर, कीटों एवं रोगों के प्रति सहनशील , ● मध्य प्रदेश के लिए अनुशंसित ● 92-95 दिनों में परिपक़्वता	

6	जे एस 93-05	20-25	● अर्ध सिमित वृद्धि एवं बैगनी फूल ● चार दाने वाली फलियाँ एवं पीला दाना ● फलियाँ चटकने के प्रति सहनशील ● मध्य प्रदेश के लिए अनुशंसित	
7	जे एस 95-60	20-25	● जल्दी पकने वाली एवं बैगनी फूल,पीला दाना , ● पर्ण भक्षी कीटों के प्रति प्रतिरोधी नीला भृंग , चक्र भृंग के लिए मध्यम प्रतिरोधी , बैक्टीरियल पशचूल एवं राई ज़ोक्टोनिया के प्रति सहनशील	

8	जे एस 97-52	25-30	● सफ़ेद फूल, पीला दाना, ● एक से अधिक रोगों के किये प्रतिरोधी ● कीटों के लिए मध्यम प्रतिरोधी ● अधिक नमी वाली भूमि के लिए सहनशील ● मध्य प्रदेश के लिए अनुशंसित	
9	एन आर सी -7	25-35	● जल्दी पकने वाली , ● सिमित वृद्धि , बैगनी फूल एवं पीला बड़ा दाना , ● रोग एवं पर्ण भक्षी कीटों की प्रतिरोधी , ● पानी की कमी के प्रति सहनशील , ● मध्य प्रदेश के लिए उपयुक्त	

Solidaridad

10	एन आर सी -37	30-35	• सिमित वृद्धि एवं सफ़ेद फूल • गोल पीला बीज • गरदनी सड़न, बैक्टीरियल पश्चूल, पोड ब्लाइट के प्रति प्रतिरोधी • तना मक्खी एवं लीफ माईनर की मध्यम प्रतिरोधी • मध्य प्रदेश के लिए अनुशंसित	
11	एन आर सी -86	22-25	• सिमित वृद्धि एवं बैगनी फूल , • बैक्टीरियल पश्चूल, चारकोल रॉट, पोड ब्लाइट एवं गरदनी सड़न के लिए माध्यम प्रतिरोधी • चक्र भृंग, तना मक्खी के लिए प्रतिरोधी • मध्य प्रदेश के लिए अनुशंसित	

बुवाई पूर्व अंकुरण परिक्षण : किसान भाई, बुवाई से पूर्व अपने पास उपलब्ध अथवा क्रय किये गए प्रमाणित बीज का बोनी से पहले अंकुरण परिक्षण अवश्य कर लें। .

- बीज अंकुरण परीक्षण का उचित समय - बुवाई के 15 दिन पूर्व।
- बुवाई के लिए सदैव मान्यताप्राप्त/विश्वसनीय बीज केन्द्रों से प्राप्त किये गए प्रमाणित बीज का ही प्रयोग करें।
- यदि बीज में न्यूनतम 70 प्रतिशत अंकुरण मिलता है तो आपका बीज बुवाई के लिए उपयुक्त है।
- बीज अंकुरण परिक्षण हेतु 1 मीटर x 1 मीटर क्यारी बना कर कतारों में 45 से मी की दुरी पर 100 बीज बोये तथा अंकुरण पश्चात पौधों को गिन ले ।

Solidaridad

- यदि 100 में से 70 से अधिक पौधे अंकुरित हो तो बीज उत्तम है ।
- अंकुरण क्षमता का परिक्षण गीले थैले अथवा गीले अखबार पर बीज ऊगा कर भी किया जा सकता है । 3-5 दिन बाद कपडे या टाट को खोल कर अंकुरित बीजो की सख्या गिन ले । और उनका प्रतिशत निकाल ले।
- यदि बीज का अंकुरण **60** से **70%** तक होता है, तो आप बुआई में **10** किलो बीज **/**एकड़ या **5** किलो बीज **/** बीघा बढ़ा दें
- यदि बीज का अंकुरण **50%** तक होता है, तो आप बीज बदल दे ताकि पैदावार में आपको नुकसान ना हो।

गीले टाट थैले पर अंकुरण परिक्षण

गीले कागज़ /पेपर पर अंकुरण परिक्षण

बीज अंकुरण परिक्षण

Solidaridad